https://www.aajtak.in/business/news/story/adani-big-announcement-for-up-power-plant-of-rs-14000-crore-in-mirzapur-tutd-1997542-2024-08-01

अडानी की कंपनी का यूपी को लेकर बड़ा ऐलान, मिर्जापुर में लगेगा 14000 करोड़ का प्लांट

अडानी पावर के इस प्लांट का निर्माण Adani Power की सहायक कंपनी मिर्जापुर थर्मल एनर्जी (UP) प्राइवेट लिमिटेड (MTEUPL) द्वारा किया जा रहा है.

Adani Group

aajtak.in
नई दिल्ली , 01 अगस्त 2024, (अपडेटेड 01 अगस्त 2024, 4:51 PM IST)

1

अडानी की कंपनी उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में एक बड़ा प्लांट बना रही है. यह 1600 मेगावाट (2x800 मेगावाट) का ग्रीनफील्ड अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट है. कंपनी की रणनीति के तहत यह थर्मल पावर, उसकी क्षमता को 30 MW तक बढ़ा देगी. इस प्लांट के बन जाने के बाद बड़े स्तर पर पावर सप्लाई की संभावना होगी.

बिजनेस टुडे की खबर में ईटी के रिपोर्ट के मुताबिक, इस यूनिट का निर्माण Adani Power की सहायक कंपनी मिर्जापुर थर्मल एनर्जी (UP) प्राइवेट लिमिटेड (MTEUPL) द्वारा किया जा रहा है. रिपोर्ट के अनुसार, गौतम अडानी की कंपनी अडानी पावर (Adani Power) 2030 तक अपने थर्मल पोर्टफोलियो को 15.25 गीगावाट से बढ़ाकर 30.67 गीगावाट करने की योजना बना रही है.

अडानी पावर प्लांट के लिए इतने करोड़ होंगे खर्च

रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनी द्वारा इस प्रोजेक्ट पर लगभग 14,000 करोड़ रुपये खर्च किये जाने की उम्मीद है. इस बीच, अडानी पावर लिमिटेड के शेयर (Adani Power Share) आज गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे. आखिरी बार जांच करने पर पता चला कि शेयर 2.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ 718.75 रुपये पर था. हालांकि, साल-दर-साल (YTD) आधार पर इसमें 36.83 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है.

प्लांट के लिए मिर्जापुर में पर्याप्त जमीन

अडानी पावर (Adani Power) ने बुधवार को एक बयान में कहा कि MTEUPL के पास उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में बड़े पैमाने पर थर्मल पावर प्लांट स्थापित करने के लिए उपयुक्त भूमि है. कंपनी ने आगे कहा कि "सुपरक्रिटिकल, एनर्जी प्लांट की क्षमता बढ़ती रहेगी, संशोधित क्षमता बढ़ोतरी अनुमान 80 गीगावाट+ है.

रायपुर में भी बन रहा 1600 मेगावाट का प्लांट

अडानी पावर ने छत्तीसगढ़ के रायपुर में 1600 मेगावाट (2X800 मेगावाट) की अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर विस्तार परियोजना का विकास भी शुरू किया है, जहां 1,370 मेगावाट का प्लांट पहले से ही मौजूद है.